Regarding request for proper implementation of Bharat Net 2.0 in Chattisgarh

श्रीमती रूपकुमारी चौधरी **(**महासमुन्द**) :** मैं इस सदन के माध्यम से देश के यशस्वी प्रधान मंत्री जी की बहुत महत्वपूर्ण परियोजना भारतनेट - 2.0 की छत्तीसगढ़ में दुर्दशा की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं । यह योजना हम सबके लिए बहुत ही आवश्यक है । जीवन में जिस तरह से रोटी, कपड़ा और मकान आवश्यक है, उसी तरह से आज हम लोगों के लिए डिजिटल नेटवर्क बहुत आवश्यक हो गया है । यह योजना डिजिटल इंडिया की रीढ़ थी, जिससे ग्रामीण भारत को सशक्त किया जाना था । परंतु छत्तीसगढ़ में तात्कालिक सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण इसे बर्बाद कर दिया गया । पूरे राज्य में ऑप्टिकल फाइबर केबल अधूरी बिछी पड़ी हुई हैं, खुदाई अधूरी छोड़ दी गई है । उसमें बहुत सारे पैसे खर्च हो गए हैं और जहां पर कनेक्शन दिए भी गए हैं, वहां पर उपकरण धूल खा रहे हैं । पंचायतें, शासकीय महाविद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र सभी डिजिटल सेवाएं निजी सेवा प्रदाता पर आश्रित हैं या सेवा से वंचित हैं ।

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्या आप अपनी मांग रखिए ।

श्रीमती रूपकुमारी चौधरी **:** माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करती हूं कि केंद्र सरकार इस पर पुनः समीक्षा कर निष्पक्ष क्रियान्वयन सुनिश्चित करे, ताकि ग्रामीण भारत डिजिटल विकास से वंचित न रहे और जिन्होंने भी लापरवाही बरती है या निष्क्रियता दिखायी है, उनके ऊपर उच्च स्तरीय जांच करायी जाए, जिससे पूरे मामले की पारदर्शिता सामने आ सके ।

धन्यवाद सभापति जी ।